सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 238 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-सम्राट अशोक

विश्व कप जीतकर लगा जैसे नया... 7 | विस चुनावों में होगी पीके की... 3 | घटना में शामिल लोगों को सजा... 2

महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर मचा कोहराम

मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूदे डिप्टी स्पीकर

» धनगर समाज को एसटी आरक्षण का कर रहे थे विरोध

» मराठा आरक्षण की मांग पर एनसीपी पवार गुट ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर बवाल जारी है। पहले जहां एनसीपी शरद पवागुट ने मराठा आरक्षण पर केंद्र सरकार से आरक्षण पर 50प्रतिशत की सीमा हटाए जाने की मांग की हैं। वहीं अब राज्य विधासभा के डिप्टी स्पीकर और अजीत पवार गुट के विधायक नरहरि जरिवाल ने आरक्षण मामले में सेफ्टी ग्रेट पर उतरने के बाद मंत्रालय भवन की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इस घटना के बाद राज्य की सियासत में कोहराम मच गया है।

विपक्ष ने शिंदे सरकार को घेर लिया है। डिप्टी स्पीकर के कूदने वाली घटना अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण कोटा में धननगर समुदाय को शामिल करने के खिलाफ आदिवासी विधायकों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। मंत्रालय में कई आदिवासी विधायक दूसरी मंजिल की सुरक्षा जाली पर उतर आए, नारे लगा रहे थे और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए और पेसा (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार) अधिनियम के तहत सेवाएं मांगी जानी चाहिए।

महायुति सरकार को विपक्ष ने सुनाई खरी-खरी

उन्होंने महाराष्ट्र की महायुति सरकार को भी जमकर घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लोकलुभावन योजनाओं की बौछार कर रही है, लेकिन वह अन्य जरूरी क्षेत्रों पर तय पैसा भी नहीं खर्च कर रही है। सांगली कैंसर अस्पताल को सरकारी सहायता का बकाया 4 करोड़ रुपये से अधिक है। पूरे राज्य में कैंसर अस्पतालों को सहायता का बकाया 700 करोड़ रुपये है। मुझे बताया गया कि चूंकि धन को लोकलुभावन योजनाओं में लगाना था, इसलिए प्रशासन असहाय था। अगर चिकित्सा क्षेत्र में यह स्थिति है, तो अन्य क्षेत्रों के बारे में क्या कहा जा सकता है।

आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाए केंद्र सरकार : पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से बड़ी मांग की। उन्होंने सरकार से शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मौजूदा सीमा 50 प्रतिशत से अधिक करने के लिए संविधान संशोधन लाने की अपील की। सांगली में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मराठों को कोटा देते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि अन्य समुदायों के लिए निर्धारित ऐसी सीमा में कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा कि फिलहाल आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है, लेकिन अगर यह तमिलनाडु में 78 प्रतिशत (विभिन्न समुदायों के लिए कोटे को मिलाकर) हो सकती है, तो महाराष्ट्र में 75 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं हो सकता। केंद्र को आगे आकर कोटा सीमा बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन लाना चाहिए। हम संशोधन का समर्थन करेंगे। शरद पवार ने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं के बीच विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे पर बातचीत अगले सप्ताह भी जारी रहेगी। मेरी सलाह तो यही है कि वे जल्द से जल्द बातचीत पूरी कर लें, ताकि हम लोगों के पास जा सकें और उन्हें सरकार की नाकामियों से रूबरू करा सकें। जनता बदलाव की तलाश में है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ हादसा

उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और विरोध कर रहे सांसदों को नेट से हटा दिया। अनुसूचित जनजाति आरक्षण और धनगर समुदाय को शामिल करने के विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा जारी रहने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल नए आवास में पहुंचे

» आप संयोजक ने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली में रहने का लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का नया पता 5, फिरोजशाह रोड होगा। शुक्रवार से वे आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के आवास पर रहेंगे। यह दूसरी बार है जब वे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रहेंगे। इससे पहले साल 2014 में उन्हें तिलक लेन में आवास आवंटित हुआ था। इसके बाद वे सिविल लाइन में शिफ्ट हो गए थे।

बृहस्पतिवार को आप मुख्यालय में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल शुक्रवार को आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे। कई सांसदों, विधायकों और मंत्रियों सहित दिल्लीभर के समर्थकों ने उन्हें अपने घर में रहने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन केजरीवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली में ही रहने का फैसला किया है। यहां से उन्हें लोगों ने चुना था। अब वे परिवार के साथ नई दिल्ली में 5, फिरोजशाह रोड पर अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास में रहेंगे।

हरभजन के आवास में रहेंगे सिसोदिया

मनीष सिसोदिया भी नई दिल्ली में शिफ्ट हो रहे हैं। वह पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के सरकारी आवास में रहेंगे। अब 32, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड उनका नया पता होगा। सिसोदिया अभी तक वह एबी-17 मथुरा रोड पर रह रहे थे। उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उनका घर आतिशी को आवंटित हुआ था। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी आतिशी इसी आवास में रह रही हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद को लेकर आंध्र सरकार को 'सुप्रीम' झटका

शीर्ष अदालत ने जांच के लिए बनाई एसआईटी

» अदालत बोली- कोर्ट को राजनीतिक पृष्ठभूमि के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तिरुपति लड्डू विवाद थमता नहीं दिख रहा है। इस विवाद को बढ़ता देख अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बड़ा दखल दिया है। इस मामले की जांच के लिए नई स्वतंत्र एसआईटी का गठन किया गया है। जिसका मतलब ये हुआ कि अब राज्य की एसआइटी जांच नहीं करेगी।

इस मामले की जांच करने वाली एसआईटी में सीबीआई, राज्य पुलिस और एफएसएसएआई के अफसर होंगे। कोर्ट ने कहा करोड़ों भक्तों की आस्था के चलते लिया ये फैसला लिया गया। जांच सीबीआई निदेशक की निगरानी में होगी। कोर्ट ने कहा कि जांच स्वतंत्र जांच एजेंसी से कराई जानी चाहिए। जिसमें 2 सीबीआई के आधिकारी, 2 राज्य सरकार के अधिकारी और एक अधिकारी एफएसएसएआई से हो।

सिब्बल ने निष्पक्ष बॉडी से जांच की मांग की थी

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मामले की निष्पक्ष बॉडी से जांच हो। कल एक और बयान दिया गया था। अगर सीएम ने बयान नहीं दिया होता तो यह अलग मामला था, एक निष्पक्ष स्वतंत्र जांच का आदेश दिया जाना चाहिए,कपिल सिब्बल ने मांग की कि कोर्ट इस मामले की जांच का जिम्मा एसआईटी के बजाए किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी को सौप दें। टीटीडी के लिए सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि 4 जुलाई तक जो आया, उसकी जांच नहीं की गई. लेकिन 6 और 12 जुलाई को जो पहुंचा, वह दागदार था। कपिल सिब्बल ने कहा कि आपने उन्हें पहाड़ी पर जाने की अनुमति क्यों दी। आप प्रभारी थे, लूथरा कहा कि लेकिन टेंडर आपने दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का चंद्रबाबू नायडू ने किया स्वागत

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने इसका स्वागत किया है। उन्होंने लिखा कि मैं तिरुपति के लड्डू में मिलावट के मुद्दे की जांच के लिए एसआईटी गठित करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करता हूं, जिसमें सीबीआई, एपी पुलिस और एफएसएसएआई के अधिकारी शामिल होंगे।

घटना में शामिल लोगों को सजा दिलाई जाएगी : किशोरी लाल

» अमेठी हत्याकांड पर सांसद ने डीएम से बात की

» राहुल गांधी ने भी ली पूरी घटना की जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि अमेठी के शिवरतनगंज क्षेत्र में हुई घटना को लेकर मेरी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बात हुई है। उन्होंने मुझे इस घटना के बारे में देखने के लिए कहा है। मैं इस मामले को देख रहा हूं। मेरी मृतक के पिता से बात हुई है। हमने डीएम अमेठी से बात की है कि इस घटना की तह तक जाना है। घटना में जो लोग शामिल हैं, उनको सजा दिलानी है। पुलिस अपराधियों की खोजबीन में लगी है।

शिवरतनगंज इलाके में बृहस्पतिवार की देर शाम बेखौफ बदमाशों ने एक शिक्षक, उसकी पत्नी व दो बेटियों की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात के पीछे मुकदमें की रंजिश मानी जा रही है। शिक्षक परिवार रायबरेली जनपद का निवासी है। डीएम, एसपी सहित भारी पुलिस बल मौके पर है। पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। रायबरेली के गदागंज थाना क्षेत्र के सुदामापुर निवासी शिक्षक सुनील कुमार (35) पुत्र रामगोपाल अपनी पत्नी पूनम भारती (30), छह साल की बेटी सृष्टि, दो साल की बेटी लाडो के साथ जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे में मुन्ना अवस्थी के भवन में किराए पर रहते थे। सुनील कुमार तिलोई तहसील क्षेत्र के पन्हौना स्थित कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक थे। बृहस्पतिवार की शाम वह पत्नी व बच्चों के साथ घर में मौजूद थे। तभी कुछ अज्ञात लोगों ने पहुंच कर शिक्षक को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। बचाव में पहुंची उसकी पत्नी व दो मासूम बेटियों को भी बदमाशों ने गोली मार दी। वारदात अंजाम देने के बाद हमलावर भाग निकले। गोली की आवाज सुनकर क्षेत्र में दहशत फैल गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद वहां स्थानीय लोग भी जमा हो गए। आनन फानन में जख्मी चारों लोगों को सीएचसी सिंहपुर पहुंचाया गया।

वारदात अक्षम्य : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमेठी में एक परिवार के चार लोगों की हत्या की जघन्य वारदात को अंजाम देने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने घटना को अक्षम्य बताते हुए कहा कि इसके दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने इस घटना की निंदा करने के साथ पुलिस अधिकारियों को तत्काल खुलासा करने का आदेश दिया है।

बसाने की जगह घर उजाड़ने का काम कर रही प्रदेश सरकार : राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सरकार को पहले बसाने का काम करना चाहिए। इसके बाद मकान उजाड़ना चाहिए, लेकिन यह सरकार बसाने के बजाय उजाड़ने का काम कर रही है। वह फखरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सराय जगना वजीरगंज बाजार में पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

कैसरगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सराय जगना के वजीरगंज बाजार में गाटा संख्या 211, 212 और 92 पर खलिहान की जमीन है। इस जमीन पर एक समुदाय के लोगों ने पक्का निर्माण करवा लिया था। गांव निवासी एक महिला ने कोर्ट में वाद दायर कर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। लखनऊ हाई कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया था। जिस पर 25 सितंबर को जिला प्रशासन की तरफ से 23 परिवारों के मकानों को बुलडोजर से गिराने आदेश हुआ था। मौके पर लगभग 43 मकानों व दुकानों पर बुलडोजर चला था। इसका मुआयना करने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार घर बसाने के बजाए घर गिरा रही है जबकि जिला पिछड़ा है। यहां कारखाना लगवाना चाहिए। कहा कि इसी सरकार ने लखनऊ के बसंत कुंज में पहले मकान बनवाकर दिया, इसके बाद बुलडोजर की कार्रवाई की। इसी तरह यहां भी करना चाहिए। भाजपा सरकार को हराकर बुलडोजर की सरकार को नदी की ओर मोड़ दिया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई कर सरकार गरीबों को नीचे गिरा रही है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जेपी मिश्रा और गोपीनाथ मिश्रा समेत काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

उपचुनाव में सीटों पर कांग्रेस व सपा में असमंजस!

» खटाई में पड़ता दिख रहा है गठबंधन, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तैयारी में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सभी सीटों पर लोगों को अपनी ओर जोड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं। पार्टी ने प्रभारी और पर्यवेक्षक उतारने के बाद सम्मेलन शुरू कर दिये है। इसी तरह बूथ कमेटियां भी तैयार की जा रही है। जहां पहले से कमेटी बनी है, उसकी समीक्षा की जा रही है।

वहीं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उपचुनाव वाली 10 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने पांच पर दावा किया है। यह भी संभव है कि मझवां विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अथवा उनके परिवार के सदस्य मैदान में उतर सकते हैं। यह सीट पहले भी कांग्रेस के पास रही है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अभी खुल कर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। वह कहते हैं कि शीर्ष नेतृत्व के आदेश के अनुसार उपचुनाव लड़ा जाएगा। पांच विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जा चुका है। सपा की ओर से भविष्य में सीटें देने से इन्कार करने की आशंका को देखते हुए कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी व पर्यवेक्षक तय कर दिए हैं। प्रभारी व पर्यवेक्षक संबंधित सीटों पर सम्मेलन कर रहे हैं। इन सम्मेलनों के जरिये संगठन को बूथ स्तर पर तैयार किया जा रहा है।

मझवा व फूलपुर पर दावा

पार्टी मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर सीट पर दावा किया है। कांग्रेस का तर्क है कि इन सीटों पर आम चुनाव में सपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इन पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारा जाए। दूसरी तरफ सपा ने एक से दो सीटें देने की बात कही लेकिन इसमें भी स्पष्टता नहीं है। ऐसे में सपा और कांग्रेस के अंदरखाने में जिस तरह से तैयारी चल रही है, उससे उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के बरकरार रहने पर संशय है। कांग्रेस ने सभी 10 विधानसभा सीटों पर संभावित उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है।

हिमाचल प्रदेश में आर्थिक तंगी नहीं भ्रमित कर रहे भाजपा नेता : सुक्खू

» बोले- हिमाचल और हरियाणा भाई-भाई, अब हरियाणा में भी होगा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसानों की भूमि हरियाणा में बदलाव की बयार बह रही है। जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। भाजपा सरकार के दस सालों के कुशासन से हरियाणा की जनता को छुटकारा मिलने जा रहा है। किसान हरियाणा की जान हैं, कांग्रेस सरकार उन्हें फसलों का उचित मूल्य देगी। हरियाणा और हिमाचल भाई-भाई हैं। हिमाचल में कोई आर्थिक तंगी नहीं है, लोगों को भ्रमित करने के लिए भाजपा नेता झूठ बोल रहे हैं।

मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चरखी दादरी की पुरानी अनाज मंडी में कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. मनीषा सांगवान के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि चरखी दादरी विधानसभा क्षेत्र के लोग कोई गलती न करें। सरकार के साथ विधायक भी कांग्रेस का होगा तो विकास में कोई कमी नहीं रहेगी। वोट डालते समय भावनाओं में न बहकर समझदारी से काम लें, क्योंकि यह चुनाव चरखी दादरी के भविष्य का चुनाव है। 5 अक्तूबर को वोट डालते वक्त की गई गलती का खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस ने अपने गारंटी पत्र में जो गारंटियां दी हैं, उन्हें सरकार बनने पर पूरा किया जाएगा। पिछले दिनों हरियाणा में हिमाचल प्रदेश की काफी चर्चा हुई, भाजपा नेताओं ने तरह-तरह का झूठ फैलाया। लेकिन, हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के चोर दरवाजों को बंद कर व्यवस्था परिवर्तन किया है, जिससे खलबली मची हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा में हिमाचल की बात कर रहे हैं, दस साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जनता को उसका हिसाब देना चाहिए। हिमाचल सरकार व्यवस्था परिवर्तन से आत्मनिर्भर हिमाचल की ओर बढ़ते हुए नए कायदे-कानून बना रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को सीधा लाभ पहुंचाना है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा से उनकी चुनावी गारंटियों पर बात हुई। उन्हें बताया गया कि हिमाचल सरकार 20 महीने के कार्यकाल में 10 में से 5 गारंटियां पूरी कर चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सोच को साकार करते हुए हिमाचल में सरकार काम कर रही है। ओपीएस किस तरह से हिमाचल में लागू की गई है, वह भी बताया है। कांग्रेस सरकार बनने पर हरियाणा में भी ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाएगी। महिलाओं को 2000-2000 रुपये हर महीने मिलेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नक्सलवाद के नाम पर किसानों को निशाना न बनायें : टिकैत

» बोले- विचारधारा को विचारधारा से ही खत्म किया जा सकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। बीजापुर में आयोजित किसान महापंचायत में सम्मलित होने आए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि नक्सलवाद के नाम से किसानों और ग्रामीणों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा आगे कहा कि जितनी मुठभेड़ हुई हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए।

नक्सलवाद के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि, नक्सलवाद एक विचारधारा है और उसे विचारधारा से खत्म करना चाहिए। लेकिन नक्सलवाद के नाम पर किसानों और ग्रामीणों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर में अब तक जितने भी मुठभेड़ हुई हैं, उन सभी मुठभेड़ों की जांच होनी चाहिए। इसमें बस्तर के किसान और ग्रामीण दोनों तरफ से पिस रहे हैं। इन्हें अपने बचाव के लिए फोर्स से भी लड़ना पड़ता है और नक्सलियों से भी लड़ना पड़ता है। इसलिए किसान और मजदूर आदिवासियों को तंग नहीं किया जाना चाहिए।

विस चुनावों में होगी पीके की असली परीक्षा!

प्रशांत किशोर ने लॉन्च की अपनी राजनीतिक पार्टी

- बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर लड़ेंगे चुनाव
- 2 साल तक पूरे प्रदेश में जन सुराज यात्रा निकालने के बाद बनाई पार्टी
- बिहार में पिछले 35 सालों से है राजद-जेडीयू का दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। देश की सियासत में बिहार का एक खास स्थान रहा है। बिहार की सियासत को समझना और बिहार में राजनीति करना दोनों ही काफी मुश्किल माना जाता है। दिल्ली में कौन गद्दी पर बैठेगा ये निर्धारित करने में भी बिहार एक अहम भूमिका निभाता है। अब एक बार फिर बिहार की सियासत चर्चा में बनी हुई है। वजह है बिहार में आगामी महीनों में होने वाला विधानसभा चुनाव। बिहार में साल 2025 में विधानसभा चुनाव होना है। लेकिन चुनाव से पहले ही प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। क्योंकि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में एक नई राजनीतिक पार्टी भी दिखाई देगी। इस नई नवेली पार्टी की एंट्री बिहार की राजनीति में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन हुई है।

इस पार्टी को लेकर चर्चाएं पिछले काफी वक्त से बनी हुई हैं, लेकिन अब ये राजनीतिक पार्टी ऑफिशियल रूप से बन गई है और ये तय है कि ये नई-नवेली राजनीतिक पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में हिस्सा लेगी। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर के नए राजनीतिक दल जन सुराज की। जैसा कि पहले से तय था प्रशांत किशोर ने 2 अक्टूबर को अपने नए राजनीतिक दल जन सुराज को लॉन्च कर दिया। जिसके चलते अब बिहार विधानसभा चुनाव में एक नया राजनीतिक दल चुनावी समर में दिखेगा। इस बार मुकाबला एनडीए के जेडीयू और बीजेपी बनाम इंडिया गठबंधन के आरजेडी-कांग्रेस के अलावा प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी का भी होगा। प्रशांत किशोर के राजनीति में आने से और अपना खुद का राजनीतिक दल बनाने से बिहार को काफी उम्मीदें भी हैं। प्रशांत किशोर ने अपनी राजनीतिक पार्टी पूरे बिहार की पदयात्रा करके बनाई है। पिछले लगभग दो साल से प्रशांत किशोर पूरे बिहार को मथ रहे हैं। ऐसे में पूरे प्रदेश की धूल फांकने के बाद प्रशांत किशोर ने अपनी राजनीतिक पार्टी लॉन्च की है। प्रशांत किशोर अपने पहले चुनाव में ही पार्टी की बंपर जीत और सरकार बनाने की बात भी कर रहे हैं। यही नहीं प्रशांत किशोर का आत्मविश्वास इतना ज्यादा है कि उनका कहना है कि अगर उनकी पार्टी 130 सीटें भी जीतती है, तो वो इसे अपनी हार समझेंगे। यानी 243 विधानसभा सीटों वाले राज्य में अगर 122 के पूर्ण बहुमत के आंकड़े को भी प्रशांत किशोर पा लेते हैं फिर भी वो इसे अपनी हार ही मानेंगे। पीके का ये एटीट्यूड उनके आत्मविश्वास को दिखाता है और ये बताता है कि प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के प्रदर्शन को लेकर कितना आश्वस्त हैं। वहीं प्रशांत किशोर के सियासत में कदम रखने के बाद अब एक चर्चा ये भी हो रही है कि क्या प्रशांत किशोर दूसरे अरविंद केजरीवाल बन पाएंगे? क्योंकि प्रशांत किशोर की भी पार्टी एक यात्रा से निकली है और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी एक आंदोलन से निकली थी। दोनों ही शिक्षित हैं और दोनों ही राजनीति को बदलने के लिए और कुछ अलग करने का संकल्प लेकर सियासत में कूदे हैं। फिलहाल अब पीके की टीम क्या प्रदर्शन करती है ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा।

बिहार की खाक छानने के बाद राजनीति में उतरे पीके

कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति बना चुके प्रशांत किशोर उर्फ पीके अब आधिकारिक रूप से राजनीति के मैदान में उतरने जा रहे हैं। 2 अक्टूबर को अपने राजनीतिक दल को लॉन्च करने से पहले पहले प्रशांत किशोर दो साल तक जन सुराज यात्रा के जरिए बिहार के गांवों, गलियों, खेतों-खलिहानों, शहरों-कस्बों की खाक छान चुके हैं। जन सुराज यात्रा का बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया पर प्रचार भी हुआ। इस दौरान पीके ने कई बार कहा कि वह बिहार को गरीबी, बेरोजगारी के दलदल से बाहर निकालने के लिए राजनीति के मैदान में आए हैं। पीके कहते हैं कि बिहार अब जाति और धर्म के नाम पर वोट ना दे बल्कि विकास के मुद्दे पर अपने जनप्रतिनिधियों को चुने। बिहार में अगले साल नवंबर में विधानसभा के चुनाव हैं। ऐसे में वक्त सिर्फ एक साल का है और सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति को बदल पाएंगे? क्या वह बिहार में स्थापित राजनीतिक दलों- आरजेडी, जेडीयू, बीजेपी के लिए कोई बड़ी चुनौती बन सकते हैं?

सीएम रेस से खुद को किया बाहर

प्रशांत किशोर ने एक राजनीतिक समझदारी वाला फैसला यह लिया है कि उन्होंने स्पष्ट कहा है कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है और वह बिहार का मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते। क्योंकि ऐसे सवाल उठे थे कि प्रशांत किशोर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। प्रशांत किशोर ऐलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बिहार की राजनीति में जाति का फैक्टर सबसे ज्यादा है। प्रशांत किशोर भूमिहार जाति यानी सवर्ण समुदाय से आते हैं और ऐसे में यह सवाल जरूर उठता है कि क्या दलित-पिछड़े समुदाय के सियासी दबदबे वाले बिहार में लोग विकास के मुद्दे पर प्रशांत किशोर को वोट देंगे।

मुद्दों की कर रहे बात

प्रशांत किशोर ने बिहार में शराबबंदी को बड़ा मुद्दा बनाया है। उनका कहना है कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो वह तुरंत शराबबंदी को खत्म कर देंगे। बिहार में पिछले कुछ सालों में नकली शराब पीने की वजह से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। राज्य में यह एक बड़ा मुद्दा है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी शराबबंदी को लेकर सवाल उठा चुके हैं। ऐसे ही बेरोजगारी, पलायन पर भी प्रशांत किशोर ने खुलकर बात की है। प्रशांत किशोर ने अपनी सभाओं में लालू प्रसाद यादव व नीतीश कुमार के शासन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि अगर इन नेताओं ने बिहार के विकास पर ध्यान दिया होता तो राज्य के लोगों की हालत इस कदर खराब नहीं होती। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार के मतदाता पीके की बातों पर भरोसा करेंगे। क्या वे जिन राजनीतिक दलों को वोट देते आ रहे हैं, उन्हें भूलकर पीके के साथ आ जाएंगे?

आरजेडी का कोर वोट माना जाता है मुस्लिम-यादव

बिहार की राजनीति में आमतौर पर यही माना जाता है कि मुस्लिम और यादव समुदाय के वोट आरजेडी को मिलते हैं जबकि सवर्ण समाज का बड़ा तबका बीजेपी को वोट देता है। नीतीश कुमार को उनके कोर वोट बैंक कोइरी, कुर्मी के अलावा अति पिछड़ी जातियों और मुसलमानों का भी समर्थन हासिल होता रहा है। प्रशांत किशोर के जातियों को साधने की राजनीति की वजह से निश्चित रूप से एनडीए और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में हलचल जरूर है। तमाम बड़े राजनीतिक दलों के लिए न सिर्फ चुनावी स्क्रिप्ट तैयार करने वाले बल्कि उन्हें जीत दिलाने वाले प्रशांत किशोर की विधानसभा चुनाव में बड़ी परीक्षा होनी है। देखना होगा कि प्रशांत किशोर इस परीक्षा में कितने सफल होते हैं?

पिछले दो सालों से आरजेडी के वोट को साधने का कर रहे प्रयास

प्रशांत किशोर ने पिछले 2 सालों में आरजेडी के कोर वोट बैंक माने जाने वाले मुस्लिमों और यादवों को साधने की कोशिश की है। उन्होंने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी बिहार में मुस्लिम समुदाय के 40 और महिलाओं और अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के 70 प्रत्याशियों को टिकट देगी। उन्होंने दावा किया कि लोग जाति व धर्म से ऊपर उठकर उन्हें वोट देंगे। आंकड़ों से पता चलता है कि लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए ने इंडिया गठबंधन की तुलना में ऊंची जातियों (राजपूत, भूमिहार, कायस्थ और ब्राह्मण) और ईबीसी के उम्मीदवारों को ज्यादा टिकट दिए जबकि इंडिया गठबंधन में एनडीए गठबंधन की तुलना में यादव, गैर-यादव ओबीसी, मुस्लिम और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की हिस्सेदारी अधिक रही।

कांग्रेस, बीजेपी और जेडीयू के साथ काम कर चुके हैं पीके

प्रशांत किशोर के साथ एक मजबूत पक्ष यह है कि वह बीजेपी, जेडीयू, कांग्रेस सहित कई दलों के लिए चुनावी रणनीति बना चुके हैं इसलिए वह इन राजनीतिक दलों के कामकाज के तरीके को समझते हैं। बिहार में पिछले लगभग 35 सालों से आरजेडी और जेडीयू का दबदबा रहा है। आरजेडी ने लगातार 15 साल तक शासन किया तो जेडीयू ने कभी बीजेपी के साथ मिलकर और कभी आरजेडी के साथ मिलकर राज्य में सरकार चलाई। इसके अलावा बीजेपी भी राज्य में बड़ी राजनीतिक ताकत है। ऐसे में बिहार की बेहद कठिन सियासी पिच पर बैटिंग कर पाना प्रशांत किशोर के लिए आसान नहीं होगा। प्रशांत किशोर ने जन सुराज यात्रा के दौरान बिहार की बदहाली को मुद्दा बनाया। उन्होंने लोगों से कहा कि बिहार के राजनीतिक दलों और नेताओं ने यहां की जनता का नहीं बल्कि अपने परिवारों का भला किया और अपनी सियासी महत्वाकांक्षाओं को पूरा किया। प्रशांत किशोर का कहना है कि उनकी पार्टी बिहार से पलायन और बेरोजगारी से लेकर बिहार के पिछड़ेपन और राज्य की समस्याओं के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। इस तरह प्रशांत किशोर ने अपना चुनावी एजेंडा जरूर सेट कर दिया है कि उनकी पार्टी के पास बिहार के चुनाव के लिए क्या रोडमैप है। पिछले कुछ महीनों में कई बड़े नेताओं और नौकरशाहों ने प्रशांत किशोर का हाथ पकड़ा है। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री डीपी यादव, बीजेपी के पूर्व सांसद छेदी पासवान के अलावा बड़ी संख्या में पूर्व आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सदस्यता अभियान में माननीय ही रहे फिसड्डी

सबसे अधिक सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनाने वाली बीजेपी को इस बार सदस्य बनाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। कभी मिसकॉल के जरिए पार्टी में लोगों को जोड़ने वाली बीजेपी अब वाकायदा अपने सांसदों और विधायकों को नए सदस्य बनाने का टारगेट दे रही है, लेकिन फिर भी उसे निराशा ही हाथ लग रही है। ऐसे में सवाल ये ही उठता है कि क्या अब लोग भाजपा से ऊब चुके हैं, इसलिए पार्टी का सदस्य बनने से कतरा रहे हैं। या फिर पार्टी में इस कदर की नाराजगी है कि पार्टी के विधायक व सांसद ही पार्टी के सदस्यता अभियान में रुचि नहीं ले रहे हैं। खासकर उत्तर प्रदेश में जिस तरह से लोकसभा चुनाव में पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा और उसके बाद पार्टी के अंदर से बगावत के जो सुर उठे, लगता है वो अभी भी पूरी तरह से शांत नहीं हुए हैं।

सवाल ये भी है कि क्या अब यूपी की जनता ने भाजपा से दूरी बनानी शुरू कर दी है ? ये बातें सिर्फ हवा में नहीं कही जा रही हैं, बल्कि आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। दरअसल, 2 से 25 सितंबर तक बीजेपी के सदस्यता अभियान का पहला चरण रहा। इस चरण के दौरान पार्टी आलाकमान ने उत्तर प्रदेश में अपने सभी सांसदों-विधायकों को 10-10 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया था। लेकिन पहला चरण पूरा होने के बाद जब सांसद व विधायकों से रिपोर्ट मांगी गई, तो जो आंकड़े निकलकर सामने आए वो वाकई में काफी हैरान करने वाले थे। रिपोर्ट कार्ड से पता चलता है कि यूपी में सदस्यता अभियान में 2 दर्जन से अधिक सांसद और विधायक 10 हजार सदस्य बनाने के अपने लक्ष्य से कोसों दूर रह गए। पहले चरण में सबसे खराब प्रदर्शन 5 सांसदों और 22 विधायकों का रहा। हालांकि, पार्टी द्वारा ऐसे विधायकों-सांसदों का नाम उजागर नहीं किया गया। लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सख्त निर्देश के बावजूद जनप्रतिनिधियों ने पहले चरण के सदस्यता अभियान में रुचि नहीं ली। सदस्यता अभियान के पहले चरण में कई सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने पांच सौ से भी कम सदस्य बनाए हैं। जिन्हें प्रदेश नेताओं ने नाम लिए बिना सख्त हिदायत दी। रिपोर्ट कार्ड के मुताबिक, 15 विधायक अभी तक 500 और 7 विधायक 1000 से भी ज्यादा सदस्य नहीं बना पाए हैं। वहीं 35 विधायक पांच हजार का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए हैं। इसी तरह दो सांसदों के पास पांच सौ से ज्यादा और पांच के पास एक हजार से भी कम सदस्य हैं। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद अब सवाल ये ही है कि क्या लोग भाजपा से ऊब गए हैं, इसलिए उसका सदस्य बनने से कतरा रहे हैं। क्या यूपी में बीजेपी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है? या फिर पार्टी के अंदर नाराजगी इस कदर है कि विधायक-सांसद खुद ही पार्टी के सदस्यता अभियान में रुचि नहीं ले रहे हैं। सवाल बड़ा है...

दरअसल, 2 से 25 सितंबर तक बीजेपी के सदस्यता अभियान का पहला चरण रहा। इस चरण के दौरान पार्टी आलाकमान ने उत्तर प्रदेश में अपने सभी सांसदों-विधायकों को 10-10 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया था। लेकिन पहला चरण पूरा होने के बाद जब सांसद व विधायकों से रिपोर्ट मांगी गई, तो जो आंकड़े निकलकर सामने आए वो वाकई में काफी हैरान करने वाले थे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी फायदे के लिए अपराधियों को संरक्षण

विश्वनाथ सचदेव

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे। आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं। पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है। और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सजा भुगत रहे राम-रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है। जब तक बाबा को सजा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे-नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे आशीर्वाद प्राप्त किया करते थे। अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस प्रभाव का लाभ उठाने से नहीं चूकते। शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सजा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है। हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है। पैरोल और फरलो पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है।

लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था। फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया- पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे। बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया। फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे। इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी। फिर 15 अक्टूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था। इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा। साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया। नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे। तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था। अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था। अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंजूर भी हो गयी है!

ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचार और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सजा भुगत रहा है। हैरानी की बात

यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है! यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है। यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है। सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है। लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती है- और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ -हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है। पैरोल के इस ताजा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये। सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल-प्रशासन को होता है, पर इस बात को नजरअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है। नियम यह कहते हैं कि अत्यंत आवश्यक हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है। अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है।

संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है। यह समझना जरूरी है कि अक्सर यह उल्लंघन वक्त की सरकारें अपने राजनीतिक स्वार्थ को देखकर करती हैं। हमारे यहां अपराध जगत से राजनीति के रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। किसी अपराधी का पैरोल पर छूटना ऐसे ही रिश्तों का एक उदाहरण है। राम रहीम बीस साल की सजा भुगत रहा है और इस दौरान दस बार पैरोल पर बाहर आ चुका है। अब फिर हरियाणा के मतदान से ठीक पहले उसे पैरोल पर छूटने का मौका दे दिया गया है! क्षेत्र की जनता पर बाबा राम रहीम के डेरा सच्चा सौदा का प्रभाव सब देखते रहे हैं।

बदलते हालात के अनुरूप हो जीवनशैली

पंकज चतुर्वेदी

हिमाचल प्रदेश में सितंबर के महीने में जून-सी गर्मी है। ऊना समेत प्रदेश के पांच जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। हाल ही में ऊना का तापमान 38 डिग्री को पार कर गया। जबकि कांगड़ा, मंडी, चंबा और बिलासपुर में भी तापमान 35 डिग्री पर पहुंच रहा है। सामान्य तौर पर सितंबर माह में हल्की सर्दी का दौर शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार गर्मी का असर देखने को मिल रहा है।

उत्तर पूर्वी राज्यों में जब सबसे भीगा और पसंदीदा मौसम होता है, असम में गुवाहाटी समेत कई जिलों में स्कूल बंद करने पड़े क्योंकि तापमान 45 से पार हो गया। भादों में उमस के साथ इतनी गर्मी जानलेवा होती है। दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय के चेरापूंजी और मौवसिनराम में अब छाते बारिश से बचने की जगह तीखी गर्मी से बचने को इस्तेमाल हो रहे हैं। यहां 33 डिग्री तापमान स्थानीय निवासियों के लिए असहनीय हो गया है। एक तो बरसात कम हुई, ऊपर से अधिकतम 24 डिग्री वाले इलाके में तापमान और उमस बढ़ गई। उत्तराखंड में देहरादून में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और पंतनगर का अधिकतम तापमान 37.2 होना असामान्य है। कश्मीर में भी इस समय अकेले चुनावी तपिश नहीं, बल्कि मौसमी तपिश लोगों को बेहाल किए है।

यहां इस मौसम के तापमान से कोई 6.6 डिग्री अधिक गर्मी दर्ज की गई है और हालात लू जैसे हैं। कुपवाड़ा में 33.3, पहलगाम में 29.5 और गुलमर्ग में 23.6 तापमान असहनीय जैसा है। हिमाचल प्रदेश में सितंबर के महीने में जून-सी गर्मी है। ऊना समेत प्रदेश के पांच जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। हाल ही में ऊना का तापमान 38 डिग्री को पार कर गया। जबकि कांगड़ा, मंडी, चंबा और बिलासपुर में भी तापमान 35 डिग्री पर पहुंच रहा है। सामान्य तौर पर सितंबर माह में हल्की सर्दी का दौर शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। शिमला में भी तापमान 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जो सामान्य से कहीं अधिक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन का असर सबसे संवेदनशील नैसर्गिक स्थलों में अब गहरा होता जा रहा है। गर्मी से लोगों की सेहत पर तो बुरा असर हो ही रहा है, लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई और संकट भी। सबसे बड़ी बात, गर्मी से शुद्ध पेयजल की उपलबद्धता घटी है।

प्लास्टिक बोतलों में बिकने वाला पानी हो या फिर आम लोगों द्वारा सहेज कर रखा गया जल, तीखी गर्मी ने प्लास्टिक बोतल में उबाले गए पानी को जहर बना दिया। पानी का तापमान बढ़ना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गर्म होने से जल में विकसित होने वाले जीव-जन्तु और वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता की भी दुश्मन है। तीखी गर्मी में गेहूं, धान के दाने छोटे हो रहे हैं और उनके पौष्टिक गुण घट रहे हैं। वैसे भी तीखी गर्मी में पका हुआ खाना जल्दी सड़-बुस रहा है। फल-सब्जियां जल्दी खराब हो रही हैं। खासकर गर्मी में आने वाले वे फल जिन्हें केमिकल लगाकर पकाया जा रहा है, इतने उच्च तापमान में जहर बन रहे हैं।

इस बार की गर्मी की एक और त्रासदी है कि इसमें रात का तापमान कम नहीं हो रहा, चाहे पहाड़ हो या मैदानी महानगर। बीते दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक रहा ही है। खासकर सुबह चार बजे भी तपिश का अहसास होता है और इसका कुप्रभाव यह है कि बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। खासकर मेहनतकश लोग उनींदे से सारे दिन रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता पर तो असर हो ही रहा है, शरीर में कई विकार हो रहे हैं। जो लोग सोचते हैं कि वातानुकूलित संयंत्र से वे इस गर्मी की मार से सुरक्षित हैं, तो यह बड़ा भ्रम है। लंबे समय तक एयर कंडीशनर वाले कमरों में रहने से शरीर की नस-नाड़ियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खमियाजा ताजिंदगी भोगना पड़ सकता है। मार्च-24 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया है कि गर्मी व लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। दरअसल, बढ़ता तापमान न केवल पर्यावरणीय संकट है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी-असमानता और संकट का कारक भी बन रहा है। इससे इंसान की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, पानी और बिजली की मांग बढ़ती है, तो उत्पादन लागत भी बढ़ती है।

हम जान लें कि प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है, कोई भी आधुनिक विज्ञान इस तरह की दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता। आधुनिक ज्ञान और विज्ञान कुपित कायनात से जूझने में असहाय है। अब समय या गया है कि इंसान बदलते मौसम के अनुकूल अपने कार्य का समय, हालात, भोजन, कपड़े आदि में बदलाव करे। खासकर पहाड़ों पर विकास और पर्यटन दो ऐसे मसले हैं, जिन पर नए सिरे से विचार करना होगा। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि निर्मल और जलयुक्त रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे।

घर पर ही बनाएं काजू कतली

मिलेगा एकदम बाजार जैसा स्वाद

त्योहारों का सीजन कुछ ही दिनों में शुरू होने जा रहा है। ऐसे में बाजारों में इसकी धूम दिखाई देने लगी है। लोग खरीदारी से लेकर घर की साफ-सफाई में भी लग गए हैं। जब भी कोई त्योहार आता है, तो सबसे ज्यादा भीड़ मिठाईयों की दुकान पर देखने को मिलती है, क्योंकि त्योहारों पर लोग एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हैं। इस सीजन में कई दुकानों पर मिलावट वाली मिठाई मिलती है, जिसको खाकर तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में काजू कतली की मिठाई हर कोई खाना पसंद करता है। जो काफी महंगी आती है। लेकिन आप घर पर ही बिना मिलावट के काजू कतली बना सकते हैं।

सामान

काजू - 1 कप (200 ग्राम), चीनी- 1/2 कप (100 ग्राम), पानी - 1/4 कप, चांदी का वर्क।

विधि

काजू कतली बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले आपको काजू का पाउडर तैयार करना है। काजू पाउडर बनाने के लिए पहले इसे अच्छी तरह से सुखा लें। सुखाने के बाद काजू को महीन पीस लें। इसे पूरी तरह से नहीं पीसें, वरना ये तेल छोड़ देगा। अब इसे साइड में रखकर एक कढ़ाई में 1/2 कप चीनी और 1/4 कप पानी डालकर धीमी आंच पर चीनी घुलने तक मिक्स करें। चीनी पूरी तरह घुलने पर इसे थोड़ा और पकाएं ताकि यह एक तार की चाशनी बन जाए। चाशनी तैयार होने के बाद इसमें काजू का मिश्रण डालें। ध्यान रखें इसे आपको लगातार चलाना है, वरना ये जलने लगेगा। इसे तब तक पकाएं जब तक यह कढ़ाई के किनारों से अलग न होने लगे। जब इसका सही का पेस्ट तैयार हो जाए तो गैस बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने दें। जब ये छूने लायक ठंडा हो जाए तो इसे हाथ से हल्का गूंथ लें। अब एक चिकनी सतह वाली ट्रे पर घी लगाकर मिश्रण को फैला दें। अच्छी तरह से फैलाने के बाद इसे डायमंड शेप में काट लें। आखिर में इसके ऊपर चांदी का वर्क लगा सकते हैं। तो बस आपकी काजू कतली तैयार है। त्योहारों के सीजन में इसका लुत्फ उठाएं।

उपवास में बनाएं फलाहारी स्नैक्स

3 अक्तूबर से नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत हो चुकी है जिसका समापन 11 अक्तूबर को नवमी तिथि पर होगा। नौ दिवसीय इस पर्व में नवदुर्गा के स्वरूपों की पूजा होती है। इस दौरान भक्त उपवास करते हैं। अपनी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर कुछ पहला और आखिरी तो कुछ 9 दिन व्रत रखते है। उपवास के दौरान नौ दिनों तक फलाहार किया जाता है। हालांकि नौ दिनों तक उपवास करने वाले शरीर की ऊर्जा के लिए कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर सकते हैं जो फलाहारी हो, स्वादिष्ट हो और सेहत के लिए भी अच्छा हो। यहां नवरात्रि उपवास के नौ दिनों के लिए ऐसे फलाहारी नाश्ते की जरूरत पड़ती है। जिसे नौ दिनों तक स्टोर करके रख सकते हैं। नौ दिन में फलाहारी नाश्ता खराब नहीं होगा और हल्की भूख लगने पर खाया जा सकता है।

सामग्री

एक कप मूंगफली, एक कप बादाम, एक कप काजू, एक कप मखाना, आधा कप नारियल के पतले स्लाइस, दो-तीन हरी मिर्च, आधा चम्मच जीरा, आधा चम्मच सेंधा नमक, आधा चम्मच काली मिर्च, आधा चम्मच चीनी, एक चम्मच घी।

विधि

नमकीन बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कड़ाही में घी गर्म करके उसमें मखाने, मूंगफली, बादाम और काजू भून लें। अब कड़ाही में नारियल के पतले स्लाइस डालकर सुनहरा होने तक उन्हें अच्छी तरह से भूनते रहें। अब इस मिश्रण में किशमिश डालकर हल्का भूनें और फिर ये सभी सामग्री कड़ाही से बाहर निकाल लें। अब कड़ाही में हल्का घी गर्म करके जीरा भूनें, और फिर बारिक कटी हरी मिर्च का तड़का लगाएं। फिर भुने हुए नट्स और मखाने मिलाएं। ऊपर से सेंधा नमक स्वादानुसार, काली मिर्च और यदि चाहें तो चीनी डालकर मिला लें। इसे हल्की आंच पर थोड़ा अच्छी तरह से भून लें। और इस प्रकार फलाहारी नमकीन तैयार है। इसे ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में भरकर रख दें। व्रत या उपवास के दौरान इसका सेवन किया जा सकता है।

हंसना मना है

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा, मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां : बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं?

लड़का- जरा मेरी आंखों में देखो, क्या नजर आता है, सच-सच बताना, लड़की- मुझे इनमें प्यार नजर आता है, लड़का (गुस्से में)- ज्यादा बात मत बना, मेरी आंख में मच्छर चला गया है.. गौर से देख और निकाल इसे..

एक बार एक कलेक्टर, एक एसपी, एक मंत्री और एक शिक्षाकर्मी बैठे बातें कर रहे थे। कलेक्टर: हम तो इलाके के मालिक होते हैं। जिससे जो मर्ज़ी करवा लें। एसपी: हम जिसे चाहे अंदर करके ठोक दें। हमारा भी बड़ा रौब होता है। मंत्री: हमारा तो जलवा है बॉस। हम चाहे कुछ भी करें, कोई माई का लाल कुछ नहीं बोल सकता। शिक्षाकर्मी: हमारा तो जी कोई रौब नहीं होता। सारा दिन बच्चों को मुर्गा बना के कूटते हैं। आगे सालों की मर्ज़ी, कलेक्टर बनें, एसपी बनें, या नेता।

कहानी — धैर्य से काम लेने में ही समझदारी है

बात उस समय की है जब महात्मा बुद्ध विश्वभर में भ्रमण करते हुए बौद्ध धर्म का प्रचार कर रहे थे और लोगों को ज्ञान दे रहे थे। एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफी देर हो गयी थी। बुद्ध जी को काफी प्यास लगी थी। उन्होंने अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होंने फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गयी और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते वहीं दूसरी ओर कुछ लोग जो धैर्यशील होते हैं वो व्याकुल नहीं होते और कुछ समय बाद गंदगी रूपी समस्याएं और दुख खुद ही खत्म हो जाते हैं।

शिक्षा- इस कहानी की सीख यही है कि समस्या और बुराई केवल कुछ समय के लिए जीवन रूपी पानी को गंदा कर सकती है। लेकिन अगर आप धैर्य से काम लेंगे तो बुराई खुद ही कुछ समय बाद आपका साथ छोड़ देगी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा।

मीन

नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। आज किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

लैला मजनू की शूटिंग के दौरान मैं घर आकर रोती थी : तृप्ति डिमरी

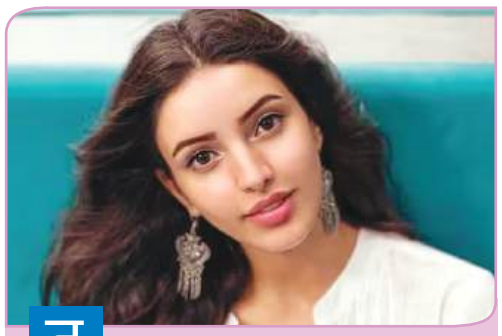

तृप्ति डिमरी को फिल्म एनिमल से इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि लैला मजनू की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आई तो उन्हें अभिनय का ए भी नहीं पता था। तृप्ति ने कहा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, मैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने आगे बताया कि सालों बाद उन्हें 2017 की फिल्म पोस्टर बॉयज में एक भूमिका मिली। लेकिन सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना उनके लिए मुश्किल था क्योंकि उन्हें अभिनय का ए नहीं पता था। इसलिए, उनके अनुसार, उन्होंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आगे उन्होंने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं घर जाकर रोती थी, यह सोचकर कि क्या मैं सही काम कर रही हूं? क्योंकि मुझे समझ नहीं आता था कि वे क्या कह रहे हैं या उनकी भाषा क्या है। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक हिस्सा फिल्म छोड़ना चाहता था।

कुछ तो गड़बड़ है...गोविंदा के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं

गोविंदा मंगलवार की सुबह दुर्घटनावश गोली लगने से घायल हो गए थे। गोविंदा ने बाद में एक बयान जारी कर अपने प्रशंसकों को बताया कि डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है और वह अपने प्रशंसकों के स्नेह और भगवान के आशीर्वाद से ठीक हैं। हालांकि, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम अभिनेता से मिलने अस्पताल पहुंची थी। इस दौरान टीम ने गोविंदा से घटना के संबंध में जानकारी ली। खबर है कि गोविंदा के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं है और पुलिस दोबारा गोविंदा बयान दर्ज कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस को शुरू में गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं मिला। वे गोविंदा के बयान से कुछ हद तक आश्वस्त नहीं हैं और जल्द ही उनका बयान फिर से दर्ज कर सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि गोविंदा की बेटी टीना आहूजा से भी पुलिस ने पूछताछ की है। उनका बयान भी दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

वैसे गोविंदा के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिसके बाद उन्हें गलत या झूठा ठहराया जा सके। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जब रिवॉल्वर 0.32 बोर की थी तो उससे फायर हुई बुलेट 9 एमएम की कैसे हो सकती है। क्योंकि इस रिवाल्वर में 9 एमएम की बुलेट आ ही नहीं सकती है। अब पुलिस हादसा या वारदात के एंगल से छानबीन करेगी और केस की जांच करेगी। यही नहीं, पुलिस को इस बात का शक भी है कि जब गोविंदा को गोली लगी थी, उस वक्त कोई और भी अभिनेता के साथ मौजूद था। यही नहीं, क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि वह अब इस दूसरे शख्स की तलाश कर रहे हैं और क्योंकि गोविंदा खुद शिंदे सरकार के नेता हैं। इसलिए वह कई सवालों के जवाब देने से भी कतरा रहे थे।

धूम-4 में धमाल मचाएंगे रणबीर कपूर

फिल्म की आधिकारिक घोषणा होने से पहले ही धूम 4 शहर में चर्चा का विषय बन गई है। ऐसी खबरें हैं कि रणबीर कपूर फिल्म में एक खलनायक की भूमिका निभाएंगे और इसने पहले से ही उत्साह बढ़ा दिया है। ऐसी अफवाहें थीं कि आदित्य चोपड़ा विजय कृष्ण आचार्य को निर्देशक के रूप में ला रहे हैं। हालांकि, हालिया अपडेट में कहा गया है कि विजय कृष्ण नहीं बल्कि अयान मुखर्जी फिल्म के लिए बोर्ड पर आ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इन दिनों ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी अभिनीत यशराज फिल्म की वॉर 2 का निर्देशन कर रहे अयान मुखर्जी, धूम 4 का भी निर्देशन कर सकते हैं। यह फिल्म डकैती फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त है और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हालिया अपडेट ने फिल्म को लेकर और अधिक चर्चा पैदा कर दी है। अगर चीजें अटकलों के मुताबिक रहीं, तो रणबीर कपूर और अयान मुखर्जी अपनी फिल्म ब्रह्मास्त्र के बाद फिर से साथ काम करेंगे।

हालांकि, अयान मुखर्जी इस समय वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं और उनकी पाइपलाइन में ब्रह्मास्त्र का दूसरा भाग भी है, इसलिए उन्होंने आदित्य चोपड़ा से कुछ समय मांगा है ताकि वह पहले अपनी फिल्मों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की भारी फैन फॉलोइंग को देखते हुए चोपड़ा सही समय पर धूम 4 को लॉन्च करना चाहते हैं।

बॉलीवुड हंगामा ने सूत्रों के हवाले से लिखा, आदित्य चोपड़ा धूम फ्रेंचाइजी की ताकत को जानते हैं और उन्होंने इसे अपने दिल के सबसे करीब रखा है। वह धूम फ्रेंचाइजी के मूल्य को जानते हैं और इसे सही समय पर सही कलाकारों और निर्देशक के साथ लाना चाहते हैं। उनका दिमाग भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के साथ धूम 4 बनाने पर केंद्रित है।

धूम 4 को हॉलीवुड की एक्शन-बड़ी फिल्मों से मुकाबला करने के लिए बड़े पैमाने पर बनाने का विचार किया जा रहा है। यह रणबीर के करियर की 25वीं फिल्म भी होगी और वह चाहते हैं कि यह एक बड़ा बेंचमार्क बने, जो एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को परिभाषित करे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणबीर रामायण 1 और 2 के बाद धूम 4 की शूटिंग करेंगे। इसके साथ ही वे एनिमल सीक्वल एनिमल पार्क पर भी काम करेंगे।

अजब-गजब | 90 घरों के इस गांव में रहता है अकेला बच्चा!

इस खूबसूरत गांव को छोड़कर भाग गए लोग

इंग्लैंड का पोर्ट्लो गांव, जो अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। लेकिन आज इस गांव की हालत चिंताजनक है। यह गांव, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और टूरिस्टों को अपनी खूबसूरती से लुभाता था, अब पूरी तरह से खाली हो चुका है। यहां के लोग अपने गांव को छोड़कर भाग चुके हैं और कोई रहना भी नहीं चाहता है। यहां मौजूद कुल 90 घरों में से केवल घर ही ऐसा है, जिसमें एक बच्चा रह रहा है। ये बच्चा भी अपनी जिद के कारण गांव नहीं छोड़ रहा है, वरना पूरा गांव खाली हो जाता। यहां रहने वाले बाकी लोग महंगे किराए और अन्य कारणों से परेशान हैं, जिससे वे घर को खाली कर देते हैं।

बता दें कि पोर्ट्लो एक सुंदर गांव है, जो प्राकृतिक घाटियों और समुद्र के किनारे स्थित है। इस गांव की प्राकृतिक सुंदरता फोटोग्राफरों को आकर्षित करती है, जो यहां सूर्योदय की अद्भुत तस्वीरें लेने के लिए दूर-दूर से आते हैं। लेकिन इसके बावजूद, यहां के स्थानीय निवासियों का गांव छोड़ना एक बड़ा सवाल बन गया है। हालांकि, ये लोग अपने घरों को महंगे किराए पर टूरिस्ट्स को दे देते हैं। लेकिन किराया इतना ज्यादा है कि टूरिस्ट्स भी धीरे-धीरे इन घरों को रेंट पर लेने से बचने लगे हैं।

यहां पर किराया तो ज्यादा है ही, साथ में इन घरों को खरीदना भी बहुत ज्यादा महंगा है। इस गांव

में केवल 2 बेडरूम वाले कॉटेज की कीमत 4.5 करोड़ रुपये से अधिक है, और 3 बेडरूम वाले घर की कीमत लगभग 8.5 करोड़ रुपये है। स्थानीय लोग भी अगर अपने लिए नई प्रॉपर्टी खरीदने जाते हैं, तो उनके लिए भी कीमत इतनी ज्यादा ही रहेगी। इन बढ़ती संपत्ति की कीमतों के कारण शुरुआत से ही स्थानीय लोग अब शहरों का रुख कर चुके हैं और अपने घरों को किराया पर दे देते हैं। लेकिन यह रियल एस्टेट क्राइसिस का संकेत है, जो स्थानीय समुदाय के लिए चुनौती बन गया है। पोर्ट्लो में लोकल कम्युनिटी के पलायन के कारण प्रशासन भी चिंतित है। पैरिश काउंसिल के अध्यक्ष ल्यूक डनस्टोन ने इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हमें इस खूबसूरत गांव के संरक्षण के लिए कदम उठाने होंगे, ताकि यहां की हालत बदतर ना हो। गांव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, डनस्टोन ने कहा कि हमें स्थानीय लोगों की कमाई के तरीकों में बदलाव लाने और घरों की कीमतें कम करने पर विचार करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किफायती आवास की आवश्यकता है, ताकि लोग इस गांव में लौट सकें और गांव की खूबसूरती को बनाए रखा जा सके।

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि पोर्ट्लो का मामला केवल एक गांव का नहीं है, बल्कि यह इंग्लैंड के कई अन्य ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविकता को भी दर्शाता है, जहां खूबसूरत लोकेशन होने के बावजूद लोग उच्च किराए और जीवन की चुनौतियों के कारण शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। Coastal village tourism की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, यदि स्थानीय निवासियों को उचित अवसर और आवास नहीं मिलता, तो ऐसे गांवों का भविष्य अधर में लटक जाएगा। यह स्थिति न केवल स्थानीय संस्कृति को प्रभावित करेगी, बल्कि गांव की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटकों की रुचि को भी खतरे में डाल देगी। पोर्ट्लो गांव की कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने खूबसूरत गांवों को बचा पाएंगे या वे केवल यादों में ही रह जाएंगे? स्थानीय समुदाय के विकास और संरक्षण के लिए सही नीतियों और उपायों की आवश्यकता है, ताकि इन गांवों की भव्यता और सांस्कृतिक धरोहर को बचाया जा सके।

दो किलोमीटर दूर तक सुनाई देती थी तारामती बारादरी मंडप से बोली हुई बात

हैदराबाद। हैदराबाद में घूमने लायक बहुत सारी जगहें हैं। तारामती बारादरी मंडप भी इनमें से एक है। हैदराबाद के इब्राहिम बाग की पहाड़ी पर यह जगह है। 17वीं सदी में इसको बनवाया गया था। यह क्षेत्र अब हैदराबाद शहर की सीमा में आता है। पर्यटन विभाग का मानना है कि इसका नाम गोलकुंडा के सातवें सुल्तान अब्दुल्ला कुतुब शाह की पसंदीदा नर्तकी तारामती के नाम पर रखा गया था।

पर्यटन विभाग के अनुसार तारामती बारादरी का नाम सुल्तान अब्दुल्ला कुतुब शाह और नर्तकी तारामती के बीच की रोमांटिक कहानी से जुड़ा है। कहा जाता है कि सुल्तान तारामती की आवाज को गोलकुंडा किले से सुनते थे। वह सेराई में यात्रियों के लिए गाती थीं। यह आवाज हवा में बहकर किले तक पहुंचती थी, जो लगभग दो किलोमीटर दूर थाह। हालांकि, इस कहानी का कोई सबूत नहीं है। लेकिन आसपास के लोग यही बताते हैं। तारामती बारादरी सनसेट देखने के लिए बहुत खास जगह है। यहां से सनसेट के दौरान बहुत कमाल के नजारे दिखते हैं। शाम के समय डूबते हुए सूरज का दृश्य इस स्थान को और भी रोमांटिक बना देता है। कपल्स भी यहां समय बिताने के लिए आते हैं। हैदराबाद के लोग इस जगह को खास मानते हैं। उनका कहना है कि तारामती बारादरी मंडप देखे बिना हैदराबाद की ट्रिप अधूरी है।

तारामती बारादरी में 500 लोगों की क्षमता वाला एक एयर-कूल्ड थिएटर, 1600 लोगों की क्षमता वाला ओपन-एयर ऑडिटोरियम, 250 लोगों की क्षमता वाला बैंक्वेट हॉल, शानदार रेस्तरां और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं।

तारामती बारादरी इब्राहिम बाग में स्थित है। आप टोली चौक से बस या ऑटो लेकर यहां पहुंच सकते हैं। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से इसकी दूरी 18 किमी है, जबकि नजदीकी मेट्रो स्टेशन माधवपुर से यह 15 किमी दूर है।

एमपी में रोजगार के नाम पर पाखंड कर रही मोहन सरकार : कमलनाथ

» बोले- रोजगार मेले में केवल ऑफर लेटर मिला नौकरी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ने डॉ मोहन यादव पर निशाना साधा है। नाथ ने एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश के नौजवानों के सामने बेरोजगारी एक विकराल समस्या बन गई है। और उससे बड़ी समस्या यह है कि रोजगार देने के नाम पर मध्य प्रदेश की डॉक्टर मोहन यादव सरकार सिर्फ पाखंड कर रही है। नाथ ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि प्रदेश में जो रोजगार मेले लग रहे हैं, वे रोजगार देने में बुरी तरह विफल हैं।

प्रदेश में पिछले डेढ़ साल में 733 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, लेकिन कितने नौजवानों को नौकरी मिली इसका आंकड़ा रोजगार कार्यालय सार्वजनिक नहीं करता ?कमलनाथ ने लिखा कि मीडिया रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि रोजगार मेला में 85 फ़ीसदी युवाओं को ऑफर लेटर मिलने के बाद कंपनियों से इंटरव्यू के लिए कॉल ही नहीं आया। जिस प्रदेश में 3621 एमबीबीएस, 3449 बीडीएस, 16037 एमबीए,122532 इंजीनियर अधिकृत रूप से बेरोजगार हों, वहां समझा जा सकता है कि सामान्य स्नातक या इससे कम पढ़ाई करने वालों की बेरोजगारी के हालात कैसे होंगे? लेकिन इतनी भयंकर बेरोजगारी होने के बावजूद मध्य प्रदेश की सरकार नौजवानों को सरकारी नौकरी देने या सम्मानजनक रोजगार देने की दिशा में कोई काम नहीं कर रही है।

जिन रोजगार मेलों पर सरकारी धन खर्च किया जा रहा है, उनमें भी सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है और युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। कमलनाथ ने कहा मैं मुख्यमंत्री जी को आगाह करता हूं कि युवाओं के प्रति इस तरह का उपेक्षापूर्ण और उदासीन रवैया प्रदेश के भविष्य को अंधकार में डालने वाला है। मुख्यमंत्री जी को निवेश के झूठे आंकड़े पेश करने की जगह युवाओं को रोजगार देने का ब्लूप्रिंट जनता के सामने जारी करना चाहिए और समयबद्ध तरीके से उसे लागू करना चाहिए।

नौजवानों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं

प्रदेश के नौजवानों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अगर सरकार रोजगार की संभावना स्वयं ही समाप्त कर देगी तो युवाओं को नौकरी और रोजगार कैसे मिलेगा? कमलनाथ ने कहा मैं विनम्रतापूर्वक आपका ध्यान छिंदवाड़ा की ओर भी दिलाना चाहता हूं जहां पिछले 44 वर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लगाए गए, स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोले गए और अभ्यर्थियों को सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित कराया गया। इसलिए जो काम छिंदवाड़ा में किया गया है, अगर सही नियत हो तो पूरे प्रदेश में उसे दोहराया जा सकता है और युवाओं को रोजगार सुनिश्चित किया जा सकता है।

कांग्रेस का शक्ति अभियान सिर्फ झुनझुना : कविता

भाजपा की प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार ने कांग्रेस की पत्रकार-वार्ता और उसके शक्ति अभियान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस का इतिहास महिला उत्पीड़न और उनके शोषण की घटनाओं से भरा रहा हो, वो आज महिलाओं के हित की बात कर रही है। कांग्रेस इस अभियान के माध्यम से प्रदेश की माता-बहनों की आंखों में धूल झोंकना चाहती है और उन्हें भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। जिनका इतिहास महिला उत्पीड़न और शोषण से भरा, वो महिला हित की बात क्यों करेंगे? कांग्रेस का इतिहास नारी शक्ति के अपमान, उत्पीड़न और शोषण की घटनाओं से भरा पड़ा है। चाहे तंदूर में जलाई गई नैना साहनी की कहानी हो, अग्निस्नान पर विवश सरला मिश्रा का मामला हो, या फिर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के ही बंगले पर सोनिया भारद्वाज द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटना हो, इन सभी में कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा दिखाई देता है। क्या महिलाओं के प्रति ऐसी जहरीली सोच रखने वाले कांग्रेस के नेता महिला नेतृत्व को उभरने देंगे?

भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ सपा ने की शिकायत

» युवजन सभा महाराष्ट्र राज्य के अध्यक्ष फहाद मुंबई पुलिस से मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी युवजनसभा महाराष्ट्र राज्य के अध्यक्ष फहाद अहमद ने मुंबई जोन 6 के पुलिस उपायुक्त और ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक को भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ एहतियाती शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत में 3 अक्टूबर 2024 को अनुशक्ति नगर विधानसभा के पैलीपाडा में होने वाली नितेश राणे की रैली को रद्द करने की मांग की गई है।

यह मांग राणे के संभावित भड़काऊ भाषण और सांप्रदायिक तनाव के खतरे को देखते हुए की गई है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, और यदि रैली में किसी प्रकार का भड़काऊ भाषण दिया जाता है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फहाद अहमद ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने नितेश राणे और आयोजकों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की, तो वे स्थानीय लोगों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

त्यौहार मनाएं पर बाढ़ प्रभावितों के बारे में सोचें : ममता बनर्जी

» सीएम बोलीं- किसी के शामिल न होने से पूजा कभी नहीं रुकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के बेहाला क्षेत्र में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए पश्चिम बंगान की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि त्यौहार के दिनों में बाढ़ से प्रभावित लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि दक्षिण और उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत सामग्री भेजी गई है, जिसमें चावल, दाल, आलू, सोयाबीन, सरसों का तेल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिन में बारिश होने की संभावना है तथा षष्ठी से शुरू होने वाले त्यौहार के बाद के चार दिन तक छिटपुट बारिश और धूप वाला मौसम रहने की उम्मीद है। ममता ने कुछ समूहों द्वारा दुर्गा पूजा में शामिल न होने पर प्रतिकिया देते हुए कहा, ''पूजा कभी नहीं रुकती है।'' उन्होंने कहा दुर्गा पूजा के बाद अन्य त्यौहार भी आएंगे। मुख्यमंत्री ने इससे पहले दिन में कोलकाता में कई दुर्गा पूजा स्थलों का उद्घाटन किया, जिनमें उत्तर कोलकाता में ताला प्रतोय, खिदिरपुर में 25 पल्ली, अलीपुर सर्बोजनिन, कोलाहोल, नोतुन दल और बारिशा क्लब शामिल थे।

भीषण जाम से कराह रहा कस्बा दोस्तपुर

» सन 1972 से नगर पंचायत का दर्जा है हासिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले की पुरानी बाजार दोस्तपुर को प्रदेश सरकार ने सन 1972 में नगर पंचायत का दर्जा दिया था, लेकिन आज तक यहां की मुख्य समस्या जाम व अतिक्रमण से निजात नहीं मिल सकी। जिसके कारण बराबर आवागमन बाधित रहता है। नगर पंचायत के वर्ष 2000 तक सामान्य सीट होने तक मिथिलेश कुमार मुन्ना तीन बार अध्यक्ष पद रहे। जबकि 2007 में महिला सीट होने के कारण बिस्मिल्लह खातून पांच वर्ष तक अध्यक्ष रहीं। 2012 में पिछड़ा वर्ग महिला सीट होने के कारण मंजू देवी पांच वर्ष तक अध्यक्ष रहीं।

सभी लोग निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीते। जबकि 2017 में बसपा से राजाराम अध्यक्ष पद पर चुनाव जीत कर 2022 तक अध्यक्ष रहे। वहीँ 2022 में सपा से शकुन्तला देवी वर्तमान में अध्यक्ष निर्वाचित है 7 मतदाताओं का कहना है कि सभी लोगों ने जाम व अतिक्रमण से नगर को मुक्ति दिलाने की बात की, लेकिन समस्या का समाधान नही हो सका।

अतिक्रमण, ठेले और सड़क के किनारे लगने वाली दुकानों से लोग परेशान

कस्बे के निवासी बुरी तरह जाम से त्रस्त हो चुके हैं, किसी आकस्मिक स्थिति में कस्बे से मरीज, एम्बुलेंस को यदि निकलना हो तो दिन में घंटों लग जाते हैं। दुकानों के बाहर खरीदारों का रुकना मुश्किल हो गया है, तुरंत ही जाम लग जाता है, इन सब की वजह से बाजार में व्यापार पे भी प्रतिकूल प्रभाव दिख रहा है। कस्बे में लगने वाले इस भीषण जाम का सबसे बड़ा कारण अतिक्रमण, ठेले और सड़क के किनारे लगने वाली दुकाने हैं । पर सब कुछ जानने एवं लगातार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार मौन हैं और इस समस्या के निदान के लिए आज तक कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। आज ही कस्बे के घंटाघर पश्चिम गली के निवासियों ने एक लिखित प्रार्थना पत्र अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत दोस्तपुर को दिया है और सड़क पर दुकानदारों द्वारा किये अतिक्रमण को हटाए जाने के लिए अनुरोध किया है। ऐसे में अब देखना है कि इस बार जिम्मेदारों के कानों पर जूँ रेंगती है या इस बार भी सिर्फ कागजों में जाम मुक्त दोस्तपुर।

दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर पंचायत व प्रशासन की उदासीनता के कारण दोस्तपुर-अंबेडकरनगर मार्ग दिनभर बाधित रहता है।

विश्व कप जीतकर लगा जैसे नया जीवन मिल गया : रोहित

» क्रिकेट अकादमी का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि इस साल के शुरू में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्हें लगा कि जैसे नया जीवन मिल गया है। भारत को पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल खेले गए टी20 विश्व कप में उसने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लंबे समय से चले आ रहे इंतजार को खत्म किया था। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप में अपने शुरुआती 10 मैच जीते लेकिन अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में वह ऑस्ट्रेलिया की चुनौती से पार नहीं पा सकी।

रोहित ने अहमदनगर में क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन करते हुए वहां बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों से कहा कि मैं बहुत अच्छी मराठी नहीं बोलता हूं लेकिन फिर भी प्रयास करूंगा। हमारे लिए विश्व कप जीतना सबसे बड़ा लक्ष्य था। विश्व कप जीतने के बाद मुझे लगा जैसे नया जीवन मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम यहां अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह अकादमी यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी तैयार करेगी। भारत को मिली। भारत की टीम इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी और फिर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी जिसका पहला मैच 22 नवंबर से शुरू होगा।

पंत को 27वें जन्मदिन की बधाई

04 अक्तूबर को टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत अपना 27वां जन्मदिन मना रहे हैं। अपनी प्रतिभा के दम पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाया है। उत्तराखंड के रुड़की में 04 अक्तूबर 1997 को ऋषभ पंत का जन्म हुआ था। बता दें कि महज 12 साल की उम्र से उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। फिर वह अपनी मां के साथ उत्तराखंड से दिल्ली आए, तो उन्होंने सोनेट क्रिकेट एकेडमी में एडमिशन लिया। जब वह पहली बार दिल्ली आए थे, तो ऋषभ पंत ने अपनी मां के साथ गुरुद्वारे में रात गुजारी थीं। ऋषभ ने दिल्ली में ही प्रारंभिक क्रिकेट शिक्षा ली। साथ ही वह जल्द ही अंडर-19 टीम इंडिया का हिस्सा बन गए थे। कड़ी मेहनत के बाद 22 अक्तूबर 2015 को ऋषभ पंत ने रणजी ट्रॉफी के फर्स्ट क्लास मैच में डेब्यू किया। फिर 2015-16 में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में लिस्ट ए में डेब्यू किया। साल 2016-17 रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच खेलते हुए ऋषभ पंत ने एक पारी में 308 रन बनाए। पंत फर्स्ट क्लास मैच में तिहरा शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर बन गए।

मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने पर गरमाई सियासत

कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेरा, पूछा- इतनी देर क्यों लगी, शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत ने फैसले का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के बाद देश का सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस का कहना है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की मांग को स्वीकार किया, जबकि उनकी सरकार लंबे समय से इस विषय पर चुप्पी साधे हुए थी।

हालांकि यूबीटी शिवसेना संजय राउत ने इस फैसले का स्वागत किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि यह फैसला लेने में आखिर इतनी देर क्यों हुई। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को मराठी, बांग्ला और असमिया सहित पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने पर खुशी जताई और कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को लोकप्रिय बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर अटूट रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पाली और प्राकृत भाषा को भी शास्त्रीय दर्जा प्रदान करने को मंजूरी दी। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने आखिरकार मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दे दिया। आप घटनाक्रम समझिए। 5 मई, 2024 को, हमने प्रधानमंत्री को वर्ष 2014 के जुलाई महीने में तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की ओर से केंद्र सरकार को सौंपी गई पठारे समिति की रिपोर्ट की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि 12 मई, 2024 को संसद और संसद के बाहर रजनी पाटिल और महाराष्ट्र के अन्य नेताओं की ओर से किए गए प्रयासों के बावजूद, इस मांग पर सरकार की लंबी चुप्पी बनी रही।

प्रधानमंत्री अपनी लंबी नींद से जाग गए : जयराम रमेश

रमेश के अनुसार, 13 मई, 2024 को हमने सार्वजनिक रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए इंडिया गठबंधन के प्रचार अभियान के हिस्से के रूप में मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, 9 जुलाई, 2024 को हमने केंद्र सरकार द्वारा शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान करने के मानदंडों को संशोधित करने के सदिग्ध प्रयास और मराठी के लिए इसकी मांग पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को चिह्नित किया।

गौहत्या और गौमांस का समर्थन व प्रचार करना चाहते हैं कर्नाटक कांग्रेस नेता : सीटी रवि

कर्नाटक कांग्रेस नेता के बयान पर बीजेपी नेता सीटी रवि ने कहा कि वह गौहत्या और गौमांस का समर्थन और प्रचार करना चाहते हैं। क्या कांग्रेस के लोग गांधीजी ने जो कहा था उसे भूल गए? उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें एक दिन के लिए सत्ता मिली तो वे गोहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देंगे। कट्टरवाद और राष्ट्रवाद में बहुत अंतर है, भारत का विभाजन कट्टरवाद के कारण हुआ। आज कांग्रेस कट्टरवाद का समर्थन करती है, क्या वे भारत के अंदर पाकिस्तान बनाना चाहते हैं?

सावरकर पर कर्नाटक के मंत्री के बयान पर आदित्य ठाकरे बोले- महान लोगों पर बोलने का समय नहीं

आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि इस समय ये बातें कहने का कोई मतलब नहीं है। सभी महान लोगों ने वही किया है जो उन्हें करना चाहिए था। हमें देखना है कि हम इस देश के लिए क्या कर रहे हैं और कौन सा रास्ता अपना रहे हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने दावा किया है कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर मांस खाते थे और वह गौ वध के खिलाफ नहीं थे। बता दें कि एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि सावरकर एक चितपावन ब्राह्मण थे और वह मांस खाते थे। वह मांसाहारी थे तथा गौ वध के खिलाफ नहीं थे। एक तरह से वह आधुनिक थे।

राष्ट्रपति के सिटी पैलेस दौरे पर विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उदयपुर के मेवाड़ राजघराने के राजमहल सिटी पैलेस में दौरे पर विवाद शुरू हो गया है। मेवाड़ राजघराने की ही राजसमंद सांसद महिमा कुमारी और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह ने राष्ट्रपति के सिटी पैलेस दौरे पर सवाल उठाए हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को उदयपुर दौरे के दौरान मेवाड़ राजघराने के राजभवन सिटी पैलेस पहुंची थीं और उन्होंने सिटी पैलेस और मेवाड़ के इतिहास की प्रशंसा की थी। इसके बाद मेवाड़ राजघराने के नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह और उनकी धर्मपत्नी राजसमंद सांसद महिमा कुमारी ने सवाल उठाया कि मेवाड़ राजघराने की संपत्ति पर काफी समय से विवाद चल रहा है, ऐसे में भारत के प्रेसिडेंट का वहां दौरा करना कतई उचित नहीं है। मेवाड़ राजघराने के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के बुलावे पर राष्ट्रपति सिटी पैलेस पहुंची थीं। बता दें कि लक्ष्यराजसिंह की धर्मपत्नी निवृत्ति कुमारी उड़ीसा राजघराने से संबंध रखती हैं। इसी के चलते राष्ट्रपति सिटी पैलेस के दौरे पर पहुंची थीं, जिसके बाद मेवाड़ राजघराने में ही विरोध के स्वर बुलंद हो गए। ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि राष्ट्रपति के सिटी पैलेस में दौरे का विरोध करने वाले विश्वराज सिंह और महिमा कुमारी मेवाड़ राजघराने के सदस्य होकर राजसमंद और नाथद्वारा से सांसद और विधायक हैं और दोनों ही भाजपा से जनप्रतिनिधि चुने गए हैं, ऐसे में दोनों के द्वारा राष्ट्रपति के दौरे का विरोध करना बड़ा मुद्दा है।

हरियाणा की सत्ता के महासंग्राम को उम्मीदवार तैयार

कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर सर्वे में सत्ता परिवर्तन के आसार

- हुड्डा-सैनी समेत कई दिग्गजों की किस्मत का होगा फैसला
- कल होगा 90 सीटों पर मतदान, चुनावी मैदान में कुल 1031 प्रत्याशी
- राज्य में दो करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 5 अक्टूबर को कल हरियाणा में विधान सभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। राज्य में 90 सीटों पर एक चरण में मतदान होगा। भाजपा और कांग्रेस में जोरदार मुकाबला होने की उम्मीद है। जहां कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए जोरआजमाइश कर रही है तो भाजपा तीसरी बार सत्ता में बरकरार रखने को बेताब है।

हालांकि कई सर्वे में इसबार कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना जताई जा रही है। पर अंतिम नतीजे तो 8 अक्टूबर को आएंगे। इससे पहले गुरुवार को शाम छह बजे चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, प्रमुख दलों भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), इनेलो-बसपा और जजपा-आज़ाद समाज पार्टी ने रैलियां और रोड शो कर मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयास किए। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर मतदान 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजे आएंगे। हरियाणा में 8,821 शतकवीरों सहित दो करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। अधिकारियों के अनुसार कुल 20,629 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनावी मैदान में कुल 1031 उम्मीदवार हैं, जिनमें 101 महिलाएं हैं। वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों में सावित्री जिंदल (हिसार), रंजीत चौटाला (रानिया) और चित्रा सरवारा (अंबाला कैंट) शामिल हैं।

भाजपा के सामने सत्ता बचाने की चुनौती

भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार में डबल इंजन सरकार के काम और प्रदर्शन पर जोर दिया। इसके साथ ही उसने आरक्षण, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दे दोनों मुख्य दलों के चुनावी घोषणापत्रों का अहम हिस्सा हैं। भाजपा के अभियान का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और उन्होंने चार रैलियों को संबोधित किया। मोदी ने अपने भाषणों में कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि उन्होंने राम मंदिर मुद्दा सहित देश के लिए महत्वपूर्ण हर मुद्दे को उलझाए रखा। किसानों, गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों सहित विभिन्न तबकों के कल्याण के लिए केंद्र और हरियाणा की भाजपा नीत सरकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से राज्य के त्वरित विकास के लिए भाजपा को फिर से सत्ता में लाने की अपील की।??

ट्रक और ट्रैक्टर के बीच टक्कर, दस मजदूरों की मौत

- मिर्जापुर में हुआ भयानक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में कछवा सीमा के पास शुक्रवार को एक ट्रक और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में दस मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना जीटी रोड पर मिर्जामुराद कछवा सीमा पर उस समय हुई जब एक अनियंत्रित ट्रक ने एक ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी, जो 13 लोगों को लेकर भदोही जिले से बनारस की ओर जा रहा था।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीन घायलों को इलाज के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि 13 लोग भदोही में मजदूरी करते थे और अपने गांव लौट रहे थे। दुर्घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

मिर्जापुर के पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया, रात करीब एक बजे सूचना मिली कि मिर्जामुराद कछवा बॉर्डर पर जीटी रोड पर एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें भदोही जिले से बनारस की ओर जा रहे 13 लोगों से भरे ट्रैक्टर को पीछे से अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी है।

सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन 13 लोगों में से 10 की मौत हो गई और 3 घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए बीएचयू भेजा गया। ये सभी 13 लोग भदोही में मजदूरी करते थे और अपने गांव लौट रहे थे। एफआईआर दर्ज की जा रही है। आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीएम मोदी व बसपा प्रमुख मायावती ने व्यक्त की संवेदना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बसपा प्रमुख मायावती समेत कई नेताओं ने ने के मिर्जापुर में सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुई सड़क दुर्घटना बेहद दर्दनाक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दे।

भाजपा कांग्रेस शासन में रॉबर्ट वाड्रा को दी गई जमीन का ब्यौरा दे: हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर वह यह साबित कर दे कि कांग्रेस शासन के दौरान रॉबर्ट वाद्रा को एक इंच भी सरकारी जमीन दी गई तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

भाजपा ने कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में शासनकाल के दौरान किसानों की जमीन औने-पौने दामों में अपने 'दामादों' को दे दी थी। पार्टी ने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी के पति और सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा पर निशाना साधते हुए कही थी। हुड्डा ने करनाल में कहा, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे जमीन का ब्योरा दें।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा रॉबर्ट वाद्रा के बारे में झूठी बातें फैला रही है कि उन्हें जमीन दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रॉबर्ट वाड्रा को एक इंच भी सरकारी जमीन नहीं दी। मैं चुनौती देता हूं कि अगर भाजपा वाद्रा को जमीन देने का सबूत दिखाए तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।